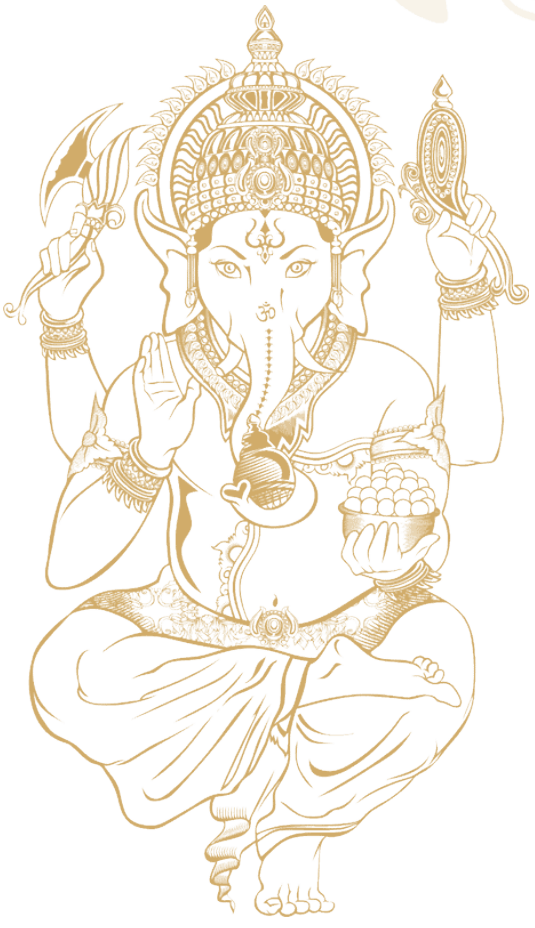

Mr.pranav

06 Apr 2023

07:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:50:00 घंटे**
इष्ट	34:19:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:27:20 घंटे
सूर्योदय	06:06:18 घंटे
सूर्यास्त	18:41:31 घंटे
दिनमान	12:35:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:20:36 मीन
लग्न के अंश	08:01:37 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:01:37	311:23:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	22:20:36	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	27:08:26	12:49:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	11:50:56	00:30:39	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मेष	10:23:23	01:27:19	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु		अ	मीन	26:17:24	00:14:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृष	00:26:00	01:10:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			कुंभ	09:06:49	00:05:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	09:49:53	00:00:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:49:53	00:00:56	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:54:05	00:03:06	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:44:36	00:02:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:02:00	00:00:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	10:18:54	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:45

लग्न-चलित

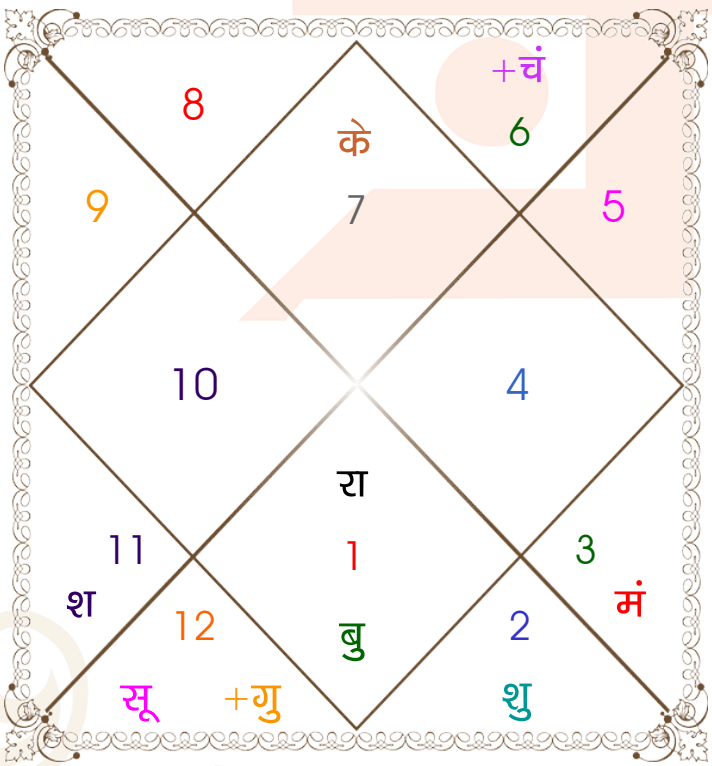

चन्द्र कुंडली

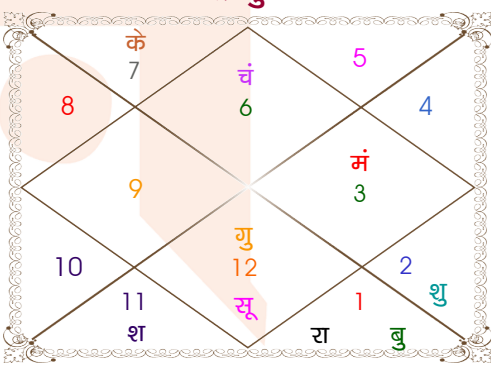

नवमांश कुंडली

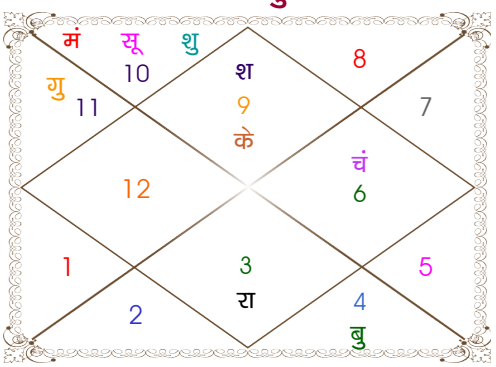

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 0 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/04/2023		06/04/2028		06/04/2046		06/04/2062		06/04/2081	
06/04/2028		06/04/2046		06/04/2062		06/04/2081		06/04/2098	
	00/00/0000	राहु	18/12/2030	गुरु	25/05/2048	शनि	09/04/2065	बुध	03/09/2083
	06/04/2023	गुरु	13/05/2033	शनि	06/12/2050	बुध	18/12/2067	केतु	30/08/2084
गुरु	28/08/2023	शनि	19/03/2036	बुध	13/03/2053	केतु	26/01/2069	शुक्र	01/07/2087
शनि	06/10/2024	बुध	06/10/2038	केतु	17/02/2054	शुक्र	28/03/2072	सूर्य	06/05/2088
बुध	03/10/2025	केतु	25/10/2039	शुक्र	18/10/2056	सूर्य	10/03/2073	चंद्र	06/10/2089
केतु	01/03/2026	शुक्र	24/10/2042	सूर्य	06/08/2057	चंद्र	09/10/2074	मंगल	03/10/2090
शुक्र	01/05/2027	सूर्य	18/09/2043	चंद्र	06/12/2058	मंगल	18/11/2075	राहु	21/04/2093
सूर्य	06/09/2027	चंद्र	19/03/2045	मंगल	12/11/2059	राहु	24/09/2078	गुरु	28/07/2095
चंद्र	06/04/2028	मंगल	06/04/2046	राहु	06/04/2062	गुरु	06/04/2081	शनि	06/04/2098

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/04/2098		07/04/2105		07/04/2125		08/04/2131		07/04/2141	
07/04/2105		07/04/2125		08/04/2131		07/04/2141		00/00/0000	
केतु	03/09/2098	शुक्र	07/08/2108	सूर्य	26/07/2125	चंद्र	06/02/2132	मंगल	03/09/2141
शुक्र	03/11/2099	सूर्य	07/08/2109	चंद्र	24/01/2126	मंगल	06/09/2132	राहु	22/09/2142
सूर्य	11/03/2100	चंद्र	08/04/2111	मंगल	01/06/2126	राहु	08/03/2134	गुरु	07/04/2143
चंद्र	10/10/2100	मंगल	07/06/2112	राहु	26/04/2127	गुरु	08/07/2135		00/00/0000
मंगल	08/03/2101	राहु	08/06/2115	गुरु	12/02/2128	शनि	05/02/2137		00/00/0000
राहु	26/03/2102	गुरु	06/02/2118	शनि	24/01/2129	बुध	08/07/2138		00/00/0000
गुरु	02/03/2103	शनि	07/04/2121	बुध	01/12/2129	केतु	06/02/2139		00/00/0000
शनि	10/04/2104	बुध	06/02/2124	केतु	07/04/2130	शुक्र	07/10/2140		00/00/0000
बुध	07/04/2105	केतु	07/04/2125	शुक्र	08/04/2131	सूर्य	07/04/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।